तू मेरे घर आ माता

मेरा तेरे बिना लगदा नई जी , तू मेरे घर आ माता,

पावन ज्योत का जलवा अकबर ने देखा,
भवन पे तेरे छतर चढ़ाया सोने का ,
मैंने मांगी है शरण तेरी,
तू मेरे घर आ माता.....

ध्यानु की भगति को तूने मान दिया,
सर को धड़ से जोड़ा जीवन दान दिया,
यह है ज्वाला जी महिमा तेरी,
तू मेरे घर आ माता.....

https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/2977/title/tu-mere-ghar-a-mata-mera-tere-bina-lgda-naa-jee

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |